Daily Current Affairs

Date : 07 February, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	मुख्यमंत्री जन सहभागिता विद्यालय विकास योजना
2.	इंडिया स्टोन मार्ट, 2026
3.	पीएम कुसुम योजना का राजस्थान में क्रियान्वयन
4.	35वीं राष्ट्रीय खो-खो सब जूनियर चैंपियनशिप, 2026
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. 'जिंदगी मुस्कुराती रहे' पुस्तक का विमोचन 2. देवव्रत सिंह राजावत : गोल्फ
6.	व्यवसाय करने की सुगमता (Ease of Doing Business): केंद्रीय बजट 2026-27
7.	धन्यवाद प्रस्ताव
8.	भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (GCC)
9.	भारत GenAI

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

मुख्यमंत्री जन सहभागिता विद्यालय विकास योजना

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में मुख्यमंत्री जन सहभागिता विद्यालय विकास योजना के तहत् सवाईमाधोपुर मॉडल चर्चा में रहा हैं।

मुख्य बिन्दु:

- **भामाशाहों का सम्मान समारोह:** यह चतुर्थ जिला स्तरीय भामाशाह एवं प्रेरक सम्मान समारोह शिक्षा विभाग और महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सवाई माधोपुर मॉडल:

- सवाईमाधोपुर के तत्कालीन कलेक्टर सुरेश ओला ने सरसों की तूड़ी बेचने से प्राप्त राशि तथा मृत्यु भोज जैसे आयोजन नहीं करने से हुई बचत की राशि सहित विद्यालयों के पूर्व शिक्षकों आदि ने अंशदान कर राशि एकत्रित की है। इस योजना में प्राप्त राशि से जिले के लगभग 700 राजकीय विद्यालयों में भवन मरम्मत कार्य तथा नए कक्षों और टॉयलेट आदि सुविधाओं का निर्माण करवाया गया है।
- यह अभिनव योजना सामुदायिक कल्याण में जन सहभागिता की सफलता का उत्कृष्ट प्रमाण है, जिसमें आम ग्रामीणों, राजकीय विद्यालयों के शिक्षक-कार्मिकों एवं पूर्व विद्यार्थियों तथा अन्य भामाशाहों से अब तक 37 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हुई है।
- इस योजना में 40 प्रतिशत राशि जनसहयोग से एकत्र होने पर बाकी 60 प्रतिशत राशि राज्य सरकार देती है जिससे सरकारी विद्यालयों में सुविधाओं का विकास किया जाता है।

मुख्यमंत्री जन सहभागिता विद्यालय विकास योजना:

- **लागू:** वर्ष 2015-16 की बजट घोषणा संख्या 160 में माध्यमिक शिक्षा के विद्यालयों में आधारभूत संरचनाओं के विकास हेतु जन सहयोग को बढ़ावा देने के लिये वित्तीय वर्ष 2016-17 से मुख्यमंत्री जन सहभागिता विद्यालय विकास योजना लागू की गई है।

योजना के उद्देश्य

- माध्यमिक शिक्षा विभाग के राजकीय विद्यालयों में जनसहयोग के माध्यम से निर्धारित मानदंडों के अनुरूप आधारभूत सुविधाओं का विकास ।
- माध्यमिक शिक्षा विभाग के राजकीय विद्यालयों के प्रबंधन एवं विकास में जनभागीदारी को प्रोत्साहन ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **माध्यमिक शिक्षा विभाग के राजकीय विद्यालयों को जनसहयोग के माध्यम से Centre of Excellence के रूप में विकसित करना।**

योजना की विशेषताएं

1. **यह राज्य वित्त पोषित योजना हैं।**
2. **जन सहयोग से 40 प्रतिशत राशि प्राप्त होने पर 60 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध होती हैं। जन सहायोग राशि में 'विद्यार्थी कोष' की राशि शामिल नहीं किया गया।**
3. **योजना का क्षेत्र ग्रामीण एवं शहारी क्षेत्र के सभी माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालय हैं।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इंडिया स्टोन मार्ट, 2026

चर्चा में क्यों?

- पत्थर उद्योग को समर्पित सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनों में से एक, इंडिया स्टोनमार्ट, 2026 का 13वाँ संस्करण 5 से 8 फरवरी, 2026 तक आयोजित किया जा रहा हैं।
- **आर्किटेक्चर फेस्टिवल:** 06 फरवरी, 2026 को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इंडिया स्टोनमार्ट, 2026 के तहत् आयोजित आर्किटेक्चर फेस्टिवल का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में 12वें ऑल इंडिया स्टोन आर्किटेक्चर अवॉर्ड्स, 2025 के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

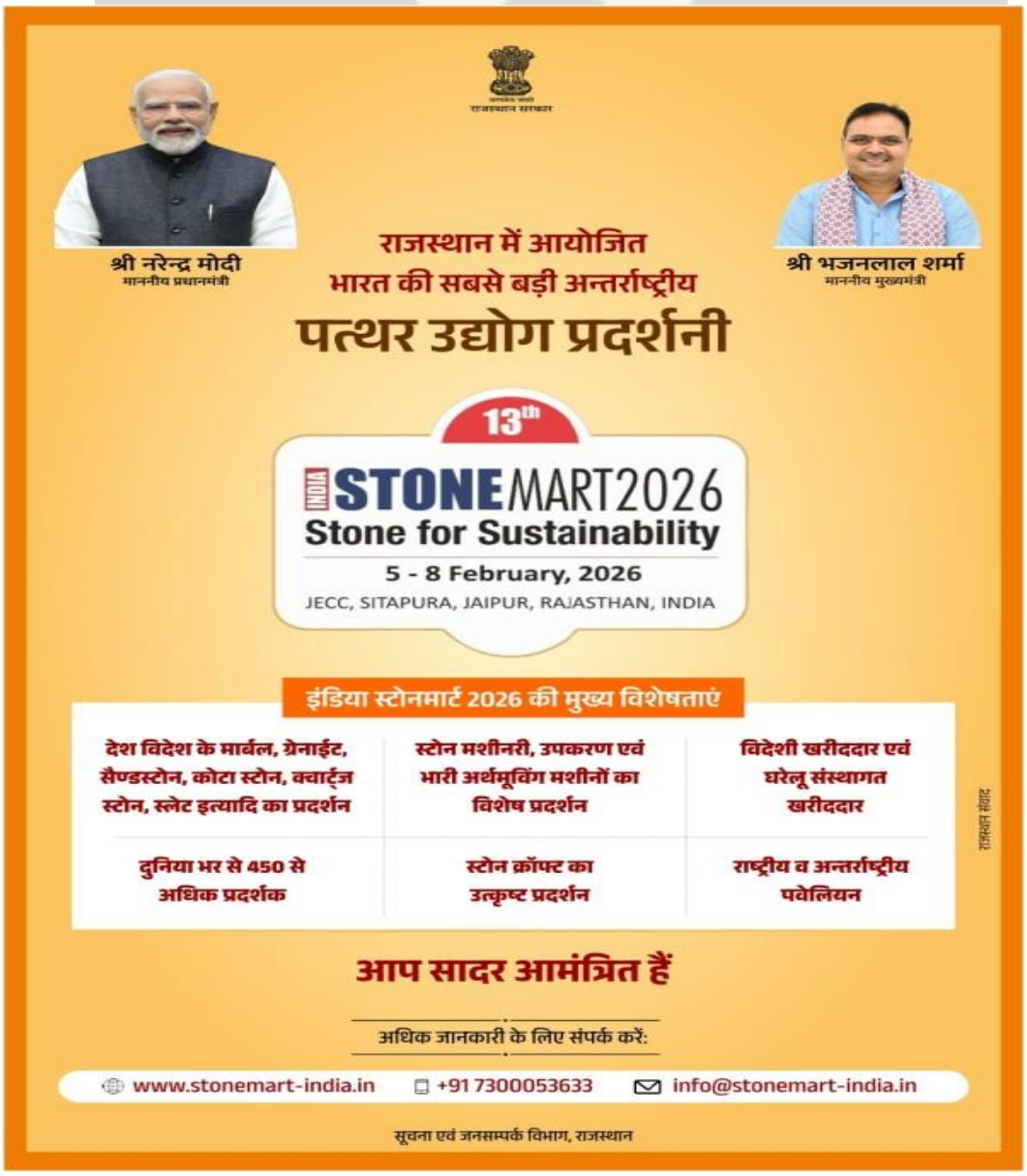

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** यह प्रतिष्ठित आयोजन प्राकृतिक आकार के पत्थरों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ-साथ सहायक उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन करता, जिससे पत्थर उद्योग का संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र एक छत के नीचे एकत्रित हो सकेगा।
- **शुरुआत:** इंडिया स्टोनमार्ट एक प्रमुख द्विवार्षिक कार्यक्रम है, जिसका आयोजन वर्ष 2000 से सफलतापूर्वक किया जा रहा है।
- **आयोजन:** जेईसीसी, सीतापुरा, जयपुर।
- **आयोजन का संचालन/आयोजक:** सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (CDOS) द्वारा।

- **सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (CDOS):** एक स्वायत्त संस्था हैं जिसे राजस्थान सरकार और रीको (RIICO) द्वारा स्थापित किया गया हैं। इसका उद्देश्य भारत में आयामी पत्थर उद्योग के विकास, गुणवत्ता, संवर्धन, प्रशिक्षण और शोध को प्रोत्साहित करना हैं।

- **सह-आयोजक:** लघु उद्योग भारती (LUB)।
- लघु उद्योग भारती (लघु उद्योग) भारती – LUB) 1994 से भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSMEs) को संगठित और सशक्त बनने में संलग्न हैं।
- **मुख्य प्रायोजक:** राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RIICO)।
- **लक्ष्य:** राजस्थान सरकार ने वर्ष 2030 तक राज्य की अर्थव्यवस्था (GDP) को 350 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य विशेषताएं:

1. **डिजिटल नवाचार:** पहली बार, इस आयोजन में 26 से अधिक अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में उपलब्ध एक वेबसाइट और वर्चुअल ई-स्टॉल और नेटवर्किंग के लिए एक समर्पित मोबाइल एप्लिकेशन शामिल है।
2. **वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODOP):** ODOP पहल के लिए एक विशेष पवेलियन समर्पित किया गया है, जिसमें स्थानीय रोजगार और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान के विभिन्न जिलों के पत्थरों का प्रदर्शन किया गया है।
3. **खनिज संपदा:** राजस्थान में 85 प्रकार के खनिज पाए जाते हैं, जो राज्य को संगमरमर, ग्रेनाइट और बलुआ पत्थर जैसे प्राकृतिक आयामी पत्थरों के मामले में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाता है।
4. **वास्तुशिल्पीय एकीकरण:** जयपुर वास्तुकला महोत्सव (JAF) का आयोजन साथ-साथ किया जाता है, जो विरासत वास्तुकला और आधुनिक पत्थर प्रौद्योगिकी के बीच तालमेल पर केंद्रित है।
5. **आर्थिक संदर्भ:** यह आयोजन "राइजिंग राजस्थान" निवेश शिखर सम्मेलन के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य औद्योगिक विकास और युवाओं के लिए स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए खरबों रुपये के समझौता ज्ञापनों को लागू करना है।

अब तक की प्रमुख उपलब्धियाँ:

1. **संस्थागत एकता और MoU पर हस्ताक्षर:** CDOS, RIICO और LUB का संगठित दृष्टिकोण।
2. **GSTF 2025 का सफल आयोजन।**
3. **अन्तर्राष्ट्रीय प्रचार यात्राएँ (UK, USA, Italy, China, Turkey, Russia):** भारत की ब्रांडिंग को सशक्त मंच प्रदान करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4. **घरेलू मंचों (STONA) पर सक्रिय प्रचार:** MSMEs, निर्माता और प्रोसेसरों को जोड़ने में सफलता।
5. प्रशिक्षण एवं तकनीकी उन्नयन की पहल जयपुर में FIGSI द्वारा आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना से शिल्पकला में गुणवत्ता और उत्पादकता को प्रोत्साहन मिला।
6. **स्वामीनारायण संस्था की ऐतिहासिक सहभागिता:** BAPS संस्था ने पहली बार स्टोनमार्ट में सांस्कृतिक और तकनीकी समन्वय के साथ मंदिर निर्माण की प्रदर्शनी दी।
7. **GST राहत:** केंद्र सरकार ने GST दर 28% करने के प्रस्ताव को टालकर पत्थर उद्योग को बड़ी राहत दी।
8. **90% पूर्व-बुकिंग पूरी:** अंतरराष्ट्रीय प्रचार और रोडशोज़ की बदौलत अब तक की सबसे तेज़ बुकिंग सुनिश्चित हुई।
9. राज्य स्तरीय संगोष्ठियाँ एवं संवाद 13 शहरों में सेमिनार व रोडशो के माध्यम से उद्योग, पर्यावरण और खनन पर बहुपक्षीय संवाद स्थापित हुआ।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

राजस्थान के प्रमुख पत्थर खनिज:

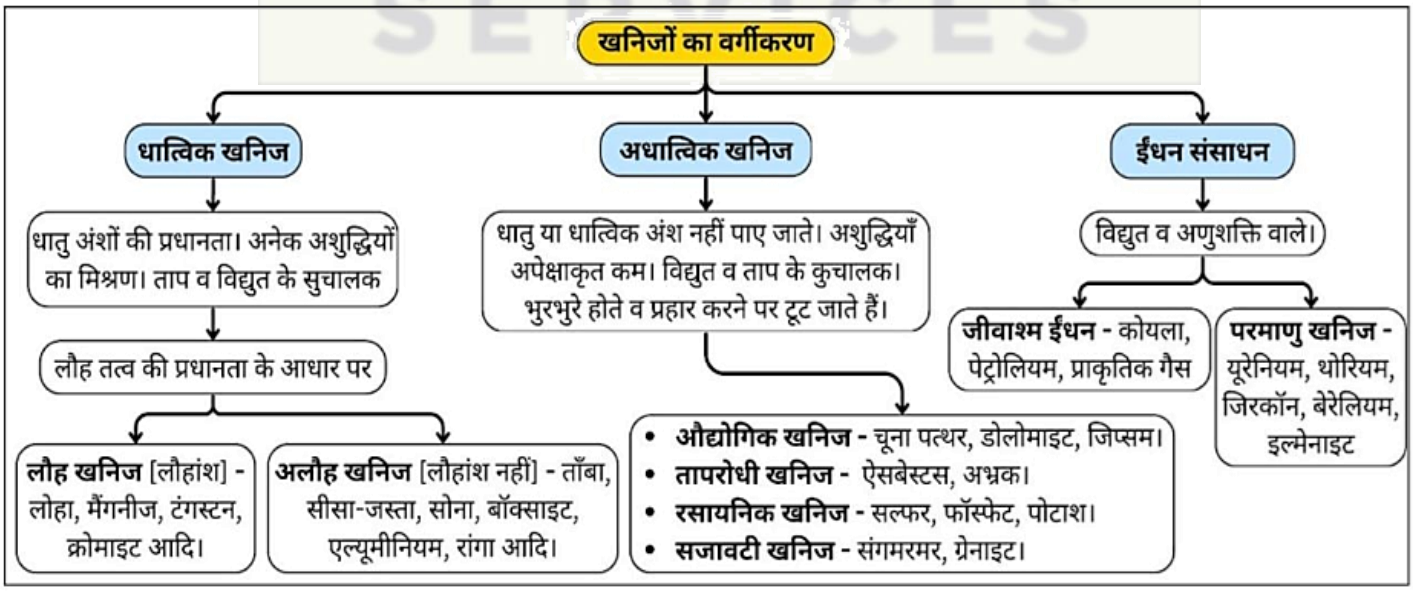

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- खनिज संपदा और विविधता के मामले में राजस्थान देश का सबसे समृद्ध राज्य है। राज्य में 81 प्रकार के खनिज पाए जाते हैं, जिनमें से 57 का व्यावसायिक रूप से दोहन किया जा रहा है। सीसा, जस्ता, चांदी, जिप्सम, साबुन पत्थर, बलुआ मिट्टी, कैल्साइट, रॉक फॉस्फेट, फेल्डस्पार, काओलिन, तांबा, जैस्पर, वोलास्टोनाइट आदि खनिजों के उत्पादन में राज्य का लगभग एकाधिकार है। राज्य में लिग्नाइट, कच्चे तेल और उच्च गुणवत्ता वाली गैस के विशाल भंडार हैं।

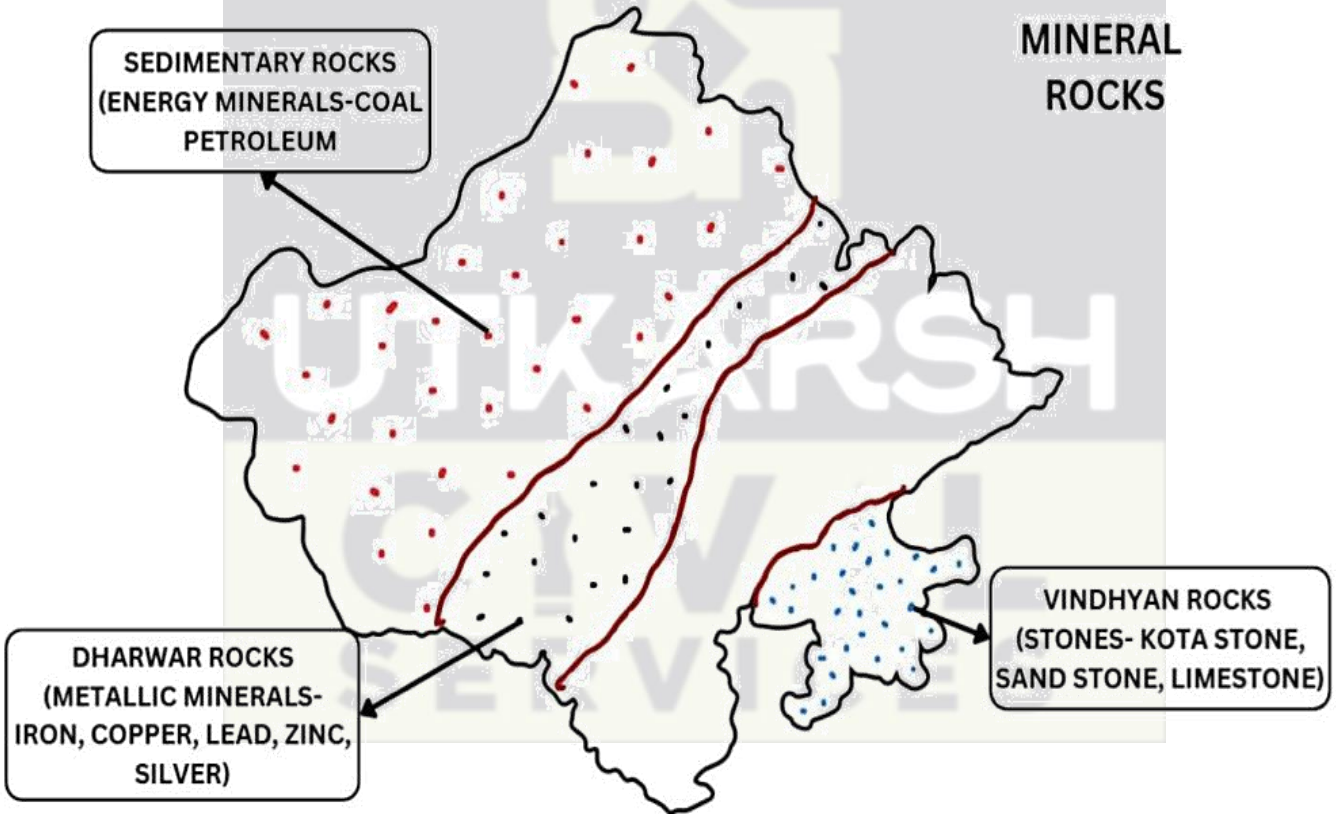

संगमरमर	■ भारत में सर्वाधिक संगमरमर उत्पादक राज्य राजस्थान है। उत्पादन में राजसमंद का स्थान प्रथम है। जबकि राजस्थान में सर्वश्रेष्ठ संगमरमर मकराना (नागौर) में होता है। ■ मार्बल की सबसे बड़ी खान किशनगढ़ अजमेर में है। राजस्थान में निम्न प्रकार के संगमरमर उत्पादित होते हैं-

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

	1. सफेद (केल्साइटिक) संगमरमर- राजसमंद, मकराना (ताजमहल इसी संगमरमर से निर्मित है।) 2. हरा-काला मिश्रित संगमरमर - डूँगरपुर, कोटा 3. काला संगमरमर - भैंसलाना (जयपुर) 4. लाल संगमरमर - धौलपुर 5. गुलाबी संगमरमर - भरतपुर तथा जालौर 6. हरा (सरपेन्टाइन) संगमरमर- उदयपुर 7. हल्का हरा संगमरमर- डूंगरपुर 8. बादामी संगमरमर - जोधपुर 9. पीला संगमरमर - जैसलमेर 10. सफेद स्फाटिकीय संगमरमर - अलवर 11. लाल-पीला छींटदार संगमरमर- जैसलमेर 12. सतरंगी संगमरमर - खान्दरा गांव (पाली) 13. धारीदार संगमरमर- जैसलमेर 14. संगमरमर मण्डी - किशनगढ़ (राष्ट्रिय राजमार्ग-8 पर स्थित है) 15. संगमरमर मूर्तियाँ - जयपुर 16. संगमरमर जाली - जैसलमेर
चूना पत्थर	■ उपयोग: सीमेंट, निर्माण सामग्री, चीनी परिशोधन और चूने के उत्पादन में। रसायन सोडा-ऐश, कास्टिक सोडा, ब्लीचिंग पाउडर, कैल्शियम कार्बाइड उर्वरक -अमोनियम नाइट्रेट, लोहा और इस्पात, फेरो-मिश्र धातु और अन्य धातुकर्म उद्योगों में फ्लक्स के रूप में।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

	■ **प्राप्ति:** चित्तौड़गढ़ (सर्वाधिक भंडार तथा भैंसरोड़गढ़, निम्बाहेड़ा, मांगरोल, शंभुपुरा), अलवर (राजगढ़, थानागाजी), जैसलमेर (सानु, रामगढ़), बूंदी (लाखेरी, इन्द्रगढ़), उदयपुर (दरौली, भदोरिया), नागौर (गोटन, मुड़वा) और जोधपुर (बिलाड़ा)।
बलुआ पत्थर	■ जोधपुर, भीलवाड़ा और नागौर जिले बलुआ पत्थर के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हैं, जो अक्सर लाल, गुलाबी, पीले और सफेद जैसे विभिन्न रंगों में होते हैं।
ग्रेनाइट	■ ग्रेनाइट एक आग्नेय चट्टान है जो राजस्थान में बड़ी मात्रा में पाई जाती है। जालौर, नागौर और उदयपुर प्रमुख ग्रेनाइट उत्पादक क्षेत्र हैं।
स्लेट	■ राजस्थान स्लेट के लिए भी जाना जाता है, जो फर्श, छत और ब्लैकबोर्ड बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक महीन दाने वाली रूपांतरित चट्टान है। ■ भीलवाड़ा क्षेत्र अपने स्लेट उत्पादन के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है।
सोपस्टोन	■ सोपस्टोन, एक प्रकार का टैल्क समृद्ध रूपांतरित चट्टान है, जो कोटा और बूंदी जिलों में पाया जाता है।
क्वार्टजाइट	■ क्वार्टजाइट एक कठोर, रूपांतरित चट्टान है जो राजस्थान में व्यापक रूप से वितरित है। अजमेर, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ में क्वार्टजाइट के महत्त्वपूर्ण भंडार हैं।
डोलोमाइट	■ डोलोमाइट मैग्नीशियम का एक अयस्क है। जब चूना पत्थर में 10 प्रतिशत से अधिक मैग्नीशियम होता है तो वह डोलोमाइट कहलाता है और जब यह अनुपात 45 प्रतिशत से अधिक हो जाता है तो इसे शुद्ध डोलोमाइट कहते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

	■ **डोलोमाइट का उपयोग:** इसका उपयोग लोहा-इस्पात उद्योग में फर्श के लिए चिप्स व पाउडर बनाने में किया जाता है। ■ **राजस्थान के प्रमुख डोलोमाइट उत्पादक क्षेत्र:** डोलोमाइट का राज्य के जयपुर, गैनार व मोजिन (बांसवाड़ा), उदयपुर और राजसमंद जिलों में प्रमुखता से तथा अलवर, झुंझुंनू, सीकर, भीलवाड़ा, नागौर जिलों में सीमित उत्पादन होता है।
जिप्सम	■ राजस्थान भारत में कुल उत्पादन का 90% योगदान करता है। ■ **उपयोग:** पोर्टलैंड सीमेंट, प्लास्टर ऑफ पेरिस, पेंट और उर्वरक। ■ **प्राप्ति:** नागौर (सर्वाधिक भंडार तथा भदवासी, गोठ मांगलोद, धांकोरिया), बीकानेर (जामसर; देश की सबसे बड़ी खान), पुगल, हरकासर), जैसलमेर (मोहनगढ़, चांदन, मचाना), गंगानगर (सुरतगढ़, तिलौनिया)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पीएम कुसुम योजना का राजस्थान में क्रियान्वयन

चर्चा में क्यों?

- पीएम कुसुम योजना के कंपोनेंट-A और C के तहत् राजस्थान ने 3,000 मेगावाट से अधिक सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता हासिल की है।
- प्रदेश में पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेन्ट-सी में सोलर प्लांट लगाने वाले ऊर्जादाताओं तथा डवलपरों को अब जल्दी ही 46.64 करोड़ की केंद्रीय वित्तीय सहायता मिलेगी, ताकि 22 जिलों के ग्रामीण इलाकों में किसानों को दिन के समय खेती लिए बिजली मिल सके।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **सौर ऊर्जा क्षमता:** राजस्थान योजना के घटक-ए में देश में अग्रणी राज्य है, जो किसानों को 2 मेगावाट तक क्षमता वाले संयंत्र स्थापित करने की अनुमति देता है। घटक-सी में भी राज्य तीसरे स्थान पर है।
- **लक्ष्य:** राजस्थान ने मार्च, 2026 तक 11,632 मेगावाट सौर क्षमता प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिससे विद्युत् क्रय लागत में और कमी आने की संभावना है।

केंद्रीय वित्तीय सहायता:

- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) ने केंद्रीय वित्तीय सहायता देने को मंजूरी दे दी है।
- केन्द्रीय नोडल एजेंसी सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) द्वारा यह राशि सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने वाले ऊर्जादाताओं के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर की जाएगी।
- कुसुम योजना का यह घटक किसानों को सौर ऊर्जा उत्पादक (ऊर्जादाता) बनने का अवसर देता है। इसके तहत् किसान अपनी जमीन पर ग्रिड से जुड़े सोलर प्लांट लगाकर बिजली उत्पादन कर सकते हैं और अतिरिक्त बिजली बेचकर आय अर्जित कर सकते हैं।
- **गत उपलब्धि:** कुसुम कम्पोनेन्ट-सी में फीडर लेवल सोलराइजेशन में भी राजस्थान डिस्कॉम्स देश में अग्रणी है। पिछले दिनों ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन के समारोह में केन्द्रीय विद्युत मंत्री ने राजस्थान डिस्कॉम्स को गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (पीएम-कुसुम) योजना

- **परिचय:** यह भारत सरकार द्वारा 19 फरवरी, 2019 में शुरू की गई एक प्रमुख योजना है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य सौर ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देकर कृषि क्षेत्र में बदलाव लाना है।
- यह योजना कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करते हुए सिंचाई लागत कम करने और अधिक सौर ऊर्जा को ग्रिड में बेचने की सुविधा प्रदान करके किसानों की आय बढ़ाने का लक्ष्य रखती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

घटक:

1. **घटक-A:** किसानों की बंजर/परती/चरागाह/दलदली/कृषि योग्य भूमि पर 10,000 मेगावाट के विकेंद्रीकृत ग्राउंड/स्टिल्ट माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना।
2. **घटक-B:** ऑफ-ग्रिड क्षेत्रों में 20 लाख स्टैंड-अलोन सौर पंपों की स्थापना।
3. **घटक-C:** 15 लाख ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों का सोलराइज़ेशन: जिसमें व्यक्तिगत पंप और फीडर-स्तरीय सौरकरण दोनों शामिल हैं।

उद्देश्य:

- **डीज़ल पर निर्भरता कम करना:** यह योजना सिंचाई हेतु सौर ऊर्जा चालित पंपों के उपयोग को प्रोत्साहित करती है, जिससे महंगे डीजल चालित पंपों पर निर्भरता कम होती है।
- **किसानों की आय में वृद्धि:** किसानों को ग्रिड को अतिरिक्त सौर ऊर्जा बेचने की सुविधा देकर, यह योजना उनकी वित्तीय स्थिरता बढ़ाती है।
- **जल एवं ऊर्जा सुरक्षा में सुधार:** सौर पंप और सामुदायिक सिंचाई परियोजनाएँ किसानों के लिए जल और ऊर्जा सुरक्षा में सुधार सुनिश्चित करती हैं।
- **पर्यावरणीय प्रभाव:** पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों को सौर ऊर्जा से प्रतिस्थापित करके, यह योजना पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करती है और स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहित करती है।
- **नोडल मंत्रालय:** नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार।
- **सहायता प्रावधान:** केंद्र सरकार द्वारा कुल लागत का 30% या 50% तक का अनुदान दिया जाता है। यह अनुदान स्टैंडअलोन सोलर पंप लगाने और मौजूदा ग्रिड-कनेक्टेड कृषि पंपों को सोलर सिस्टम में बदलने के लिए दिया जाता है। इसके अलावा, किसान इस योजना के तहत अपनी बंजर/परती भूमि पर 2 मेगावाट तक के ग्रिड-कनेक्टेड सोलर पावर प्लांट लगा सकते हैं और राज्य नियामक द्वारा निर्धारित टैरिफ पर स्थानीय डिस्कॉम को बिजली बेच सकते हैं। इस योजना का कार्यान्वयन राज्य सरकार के नामित विभागों द्वारा किया जा रहा है।

वित्तीय सहायता:

- केंद्र और राज्य सरकारों से 60% की सब्सिडी।
- बैंकों से 30% ऋण।
- किसान का 10% योगदान।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

35वीं राष्ट्रीय खो-खो सब जूनियर चैंपियनशिप, 2026

चर्चा में क्यों?

- हरियाणा के कुरुक्षेत्र में भारतीय खो-खो महासंघ, नई दिल्ली एवं हरियाणा खो-खो संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 35वीं राष्ट्रीय खो-खो सब जूनियर चैंपियनशिप, 2026 में राजस्थान की बालिका वर्ग टीम उपविजेता रही।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन:** 31 जनवरी से 4 फरवरी, 2026 तक थीम पार्क, कुरुक्षेत्र में।
- **आयोजक:** भारतीय खो-खो महासंघ, नई दिल्ली एवं हरियाणा खो-खो संघ के संयुक्त तत्वावधान में।

विजेता:

	बालिका वर्ग	बालक वर्ग
विजेता व उपविजेता	■ महाराष्ट्र की टीम ने राजस्थान को 27-15 अंकों से पराजित कर 12 अंकों और एक इनिंग के अंतर से खिताब जीता।	■ ओडिशा की टीम ने कोल्हापुर को 31-24 अंकों से हराया।
सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन	■ **सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर:** राहि पाटिल (महाराष्ट्र) ■ **सर्वश्रेष्ठ अटैकर:** गुंजन (जयपुर, राजस्थान) ■ **सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी:** अपर्णा वर्दे	■ **सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर:** वरद पोल (महाराष्ट्र) ■ **सर्वश्रेष्ठ अटैकर:** गौरव माने (कोल्हापुर) ■ **सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी:** सत्य रंजन बेहरा (उड़ीसा)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**'जिंदगी मुस्कुराती रहे' पुस्तक का विमोचन** ■ 6 फरवरी, 2026 को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त उपनिदेशक डॉ. लीलाधर दोचानिया के कविता संग्रह 'जिंदगी मुस्कुराती रहे' का विमोचन RIC में हुआ। ■ **पुस्तक का विमोचन:** वरिष्ठ साहित्यकार त्रिलोकचंद कौशिक और मनीषा खटाते।
2.	**देवव्रत सिंह राजावत : गोल्फ** ■ जयपुर निवासी गोल्फ स्टार देवव्रत सिंह राजावत थाईलैंड के हिन में आयोजित होने वाली 'एशियन जूनियर मास्टर्स गोल्फ चैंपियनशिप' (2 से 5 फरवरी, 2026) में भारत का प्रतिनिधित्व किया। ■ देवव्रत का चयन ग्रीन्स टू ग्लोरी एलीट जूनियर गोल्फ चैंपियनशिप क्वालीफायर में उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर हुआ है, जिसे उन्होंने 28 से 30 अक्टूबर, 2025 के बीच ITC क्लासिक गोल्फ रिज़ॉर्ट में जीता था। ■ देवव्रत जूनियर अंडर-18 श्रेणी में प्रतिस्पर्धा की। ■ यह मुकाबला एशिया के सर्वश्रेष्ठ गोल्फ कोर्स 'ब्लैक माउंटेन चैंपियनशिप गोल्फ कोर्स' पर खेला गया, जिसे विश्व के टॉप-100 कोर्स में गिना जाता है। ■ इन्होंने 7 वर्ष की उम्र में अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में आयोजित 'यूएस वर्ल्ड गोल्फ चैंपियनशिप' में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

व्यवसाय करने की सुगमता (Ease of Doing Business): केंद्रीय बजट 2026-27

चर्चा में क्यों?

- वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय बजट भारत की आर्थिक संवृद्धि हेतु 'व्यवसाय करने की सुगमता' (EoDB) को एक मौलिक स्तंभ के रूप में प्रस्तुत करता है।

मुख्य बिन्दु:

- इसमें डिजिटलीकरण, कर निश्चितता और मुकदमों में कमी पर जोर दिया गया है।

केंद्रीय बजट 2026-27 में EoDB से संबंधित प्रावधान

व्यापार और निवेश सुगमता:

- **डिजिटल विंडो:** कार्गो क्लीयरेंस की मंजूरी के लिए एकल और आपस में जुड़ी हुई डिजिटल विंडो की व्यवस्था की जाएगी।
- **निवेश सीमा में वृद्धि:** भारत के बाहर रहने वाले निवासी (PROIs) 'पोर्टफोलियो निवेश योजना' के माध्यम से सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों में निवेश कर सकते हैं। इसके तहत् व्यक्तिगत सीमा को 5% से बढ़ाकर 10% किया जाएगा।

कर सुधार:

- **MAT में राहत:** न्यूनतम वैकल्पिक कर को अंतिम कर के रूप में माना जाएगा। इसकी दर 15% से घटाकर 14% कर दी गई है।

MAT क्या है?

- जब किसी कंपनी की सामान्य आयकर देनदारी न्यूनतम या शून्य होती है, तब उसे अपने बही-खाते के लाभ पर एक न्यूनतम राशि का भुगतान करना पड़ता है, जिसे MAT कहते हैं।
- **अनिवासियों को छूट:** अनुमानित कराधान चुनने वाले अनिवासियों (Non-residents) को MAT से छूट दी गई है।
- **अनुमानित कराधान:** यह टर्नओवर के एक निश्चित प्रतिशत पर आय घोषित करने की अनुमति देता है। इससे अनुपालन का बोझ कम हो जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

दंड का युक्तिकरण:

- **अपील प्रक्रिया:** अपील दायर करने के लिए आवश्यक 'प्री-डिपॉजिट' राशि को मूल कर मांग के 20% से घटाकर 10% कर दिया गया है।
- **सरलीकृत प्रक्रिया:** कर निर्धारण और दंड की कार्रवाई के लिए एक सामान्य आदेश जारी होगा, जिससे प्रक्रिया सरल होगी।
- **जुर्माने का विकल्प:** अदालतों को कुछ अपराधों के लिए कारावास की सजा को जुर्माने में बदलने का प्रावधान किया गया है।

विश्वास-आधारित प्रणाली:

- **विश्वसनीय आयातक:** जोखिम प्रणालियों में मान्यता प्राप्त 'विश्वसनीय आयातकों' के लिए भौतिक सत्यापन कम किया जाएगा और सीधे 'फैक्ट्री-टू-शिप' क्लीयरेंस की अनुमति दी जाएगी।
- **शुल्क स्थगन:** कुछ 'अधिकृत आर्थिक परिचालकों' (AEOs) के लिए शुल्क भुगतान की अवधि को बढ़ाकर 30 दिन कर दिया गया है।
- **एडवांस रूलिंग:** सीमा शुल्क के तहत बाइंडिंग एडवांस रूलिंग की वैधता 3 से बढ़ाकर 5 वर्ष कर दी गई है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

धन्यवाद प्रस्ताव

चर्चा में क्यों?

- लोकसभा में विरोध-प्रदर्शन के कारण राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रधान मंत्री के जवाब के बिना पारित हो गया।

मुख्य बिन्दु:

धन्यवाद प्रस्ताव

संविधान के अनुच्छेद 87(1) के अनुसार राष्ट्रपति:

- लोकसभा के प्रत्येक आम चुनाव के बाद पहले सत्र के प्रारंभ में तथा प्रत्येक वर्ष के पहले सत्र के प्रारंभ में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में अभिभाषण करेगा।
- संसद को उसके सत्र आहूत किए जाने के कारणों की जानकारी देगा।
- लोकसभा की कार्यप्रणाली एवं कार्य संचालन नियमावली के नियम 17 के तहत राष्ट्रपति के अभिभाषण में उल्लिखित विषयों पर धन्यवाद प्रस्ताव के माध्यम से चर्चा की जाती है।
- **संशोधन की अनुमति:** विपक्षी सदस्य ऐसे संशोधन प्रस्तावित कर सकते हैं, जिनमें यह व्यक्त किया जाए कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में कुछ महत्त्वपूर्ण मुद्दों को शामिल नहीं किया गया या उन्हें अपर्याप्त रूप से प्रस्तुत किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (GCC)

चर्चा में क्यों?

- भारत- खाड़ी सहयोग परिषद मुक्त व्यापार समझौते के विचारार्थ विषयों (ToRs) पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्य बिन्दु:

- भारत और खाड़ी सहयोग परिषद के बीच हस्ताक्षरित ToRs, प्रस्तावित भारत-GCC मुक्त व्यापार समझौते के दायरे, संरचना और तौर-तरीकों को परिभाषित करते हैं।
- भारत और GCC के बीच FTA की संभावना तलाशने के लिए आर्थिक सहयोग फ्रेमवर्क समझौते पर 2004 में नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए थे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत के लिए महत्त्व

- **पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक संबंधों की पूर्ण क्षमता का दोहन:** 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार, GCC देश 6.15 करोड़ लोगों का बाजार हैं और मौजूदा कीमतों पर इनकी जीडीपी 2.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है।
- **भारत के ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण:** खाद्य प्रसंस्करण, अवसंरचना, पेट्रोकेमिकल्स और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) जैसे क्षेत्रकों को लाभ।
- **वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच संबंधों को मजबूती देना:** यह दीर्घकालिक आपूर्ति सुरक्षा और व्यापार विस्तार को मजबूत करने में मदद करेगा।
- **व्यापार और निवेश में वृद्धि:** वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का GCC के साथ 178.56 अरब डॉलर का व्यापार रहा (भारत के कुल वैश्विक व्यापार का 15.42%)।
- यह क्षेत्र प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का भी महत्त्वपूर्ण स्रोत है। इसके तहत सितंबर, 2025 तक 31.14 अरब डॉलर से अधिक का निवेश हो चुका है।
- **लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा:** GCC देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय निवास करते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

भारत GenAI

चर्चा में क्यों?

- केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री के अनुसार, भारत GenAI इस महिने के भीतर संविधान की 22 अनुसूचित भाषाओं में टेक्स्ट मॉडल पूरा कर लेगा।

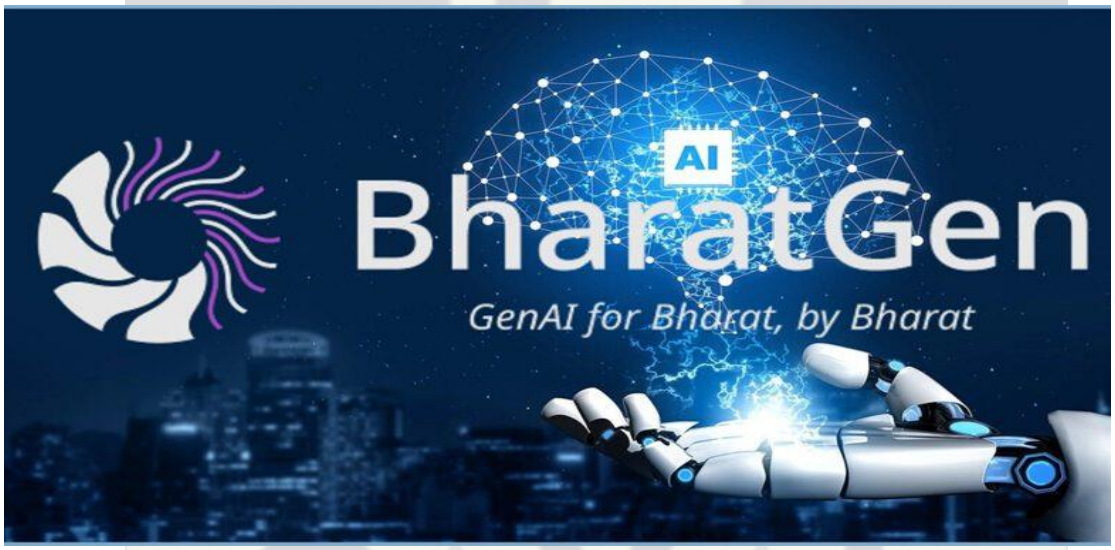

मुख्य बिन्दु:

- वर्तमान में यह 15 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

भारत GenAI – अतिरिक्त जानकारी-

- भारत की भाषाओं और सामाजिक संदर्भों के अनुरूप संप्रभु आधारभूत AI मॉडल का विकास करने की दिशा में यह सरकार समर्थित पहली राष्ट्रीय पहल है।
- **मल्टी मॉडल दायरा:** टेक्स्ट (लार्ज लैंग्वेज मॉडल), स्पीच (टेक्स्ट टू स्पीच और ऑटोमैटिक स्पीच रिकग्निशन), विज़न-लैग्वेज सिस्टम।
- **नेतृत्व:** इस पहल का नेतृत्व IIT बॉम्बे कर रहा है। इसमें कई अन्य शैक्षणिक संस्थाओं की भागीदारी है।
- **सक्रिय टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब (TIH):** राष्ट्रीय अन्तर्विषयक साइबर-फिजिकल सिस्टम मिशन के अन्तर्गत IIT बॉम्बे व IIT मद्रास में।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR